GENERAL STUDIES (Module – 5)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS15**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Alok Prasad **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** * 7100 (Amake)

Center & Date: MKN **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 5907765

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षेत्र को कौन-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? हाल के दिनों में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये किये गए उपायों को गिनाइये। (150 शब्द) 10

What are the challenges facing the logistics sector in India? Enumerate the measures taken in recent times for giving a boost to this sector. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लॉजिस्टिक से तात्पर्य किसी वस्तु के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में लाने, ले जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया, जिसमें परिवहन, माल चढ़ाना, माल उतरना, कस्टम क्लीरेंस, भण्डारण इत्यादि क्षेत्र सम्मिलित होते हैं।

भारत में लाजिस्टिक क्षेत्र में चुनौतियां

1) भारत में लाजिस्टिक इंफ्रा की स्थिति काफी दयनीय है। सड़क परिवहन में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा मात्र 2% है।

2) चीन की तुलना में भारत की लाजिस्टिक लागत 5 गुना अधिक है। जिसके परिणामस्वरूप भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता घटती है। और निर्यात कम होता है।

3) भारत में उच्चतम गुणवत्ता के बंदरगाह के अभाव के चलते भारत को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारी सामान उतारने हेतु श्रीलंका व सिंगापुर के बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है।

4) आयात - निर्यात में कस्टम क्लीयरेंस हेतु सिंगल विंडो सिस्टम का अभाव

हाल के दिनों में सरकार लाजिस्टिक क्षेत्र को मजबूत करने का प्रयास कर रही है

1) लाजिस्टिक क्षेत्र को अवसंरचना का दर्जा दिया गया है।

2) सड़क परिवहन को तीव्रता से बढ़ाया जा रहा है। भारत में प्रतिदिन 25 KM सड़क निर्माण हो रहा है

3) भारत माला परियोजना एवं सागर माला परियोजना के माध्यम से अवसंरचना विकास

लाजिस्टिक क्षेत्र भारत के उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एवं उनकी उत्पादकता बढ़ाने हेतु आवश्यक है

लाजिस्टिक मजबूत → प्रतिस्पर्धात्मकता ↑ → गुणवत्ता ↑ → निर्यात ↑
लाजिस्टिक मजबूत → उत्पादकता ↑ → रोजगार ↑ (← निर्यात ↑)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. शैडो बैंकिंग प्रणाली से आपका क्या अभिप्राय है? वर्तमान में भारत की शैडो बैंकिंग प्रणाली को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (150 शब्द) 10

What do you mean by shadow banking system? What are the challenges faced by India's shadow banking system at present? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शैडो बैंकिंग प्रणाली मूल बैंकिंग प्रणाली से इतर वित्तीय व्यवस्था है। ध्यातव्य है कि मूल बैंकिंग प्रणाली बैंकिंग अधिनियम 1949 एवं RBI अधिनियम -1934 से संचालित होती है

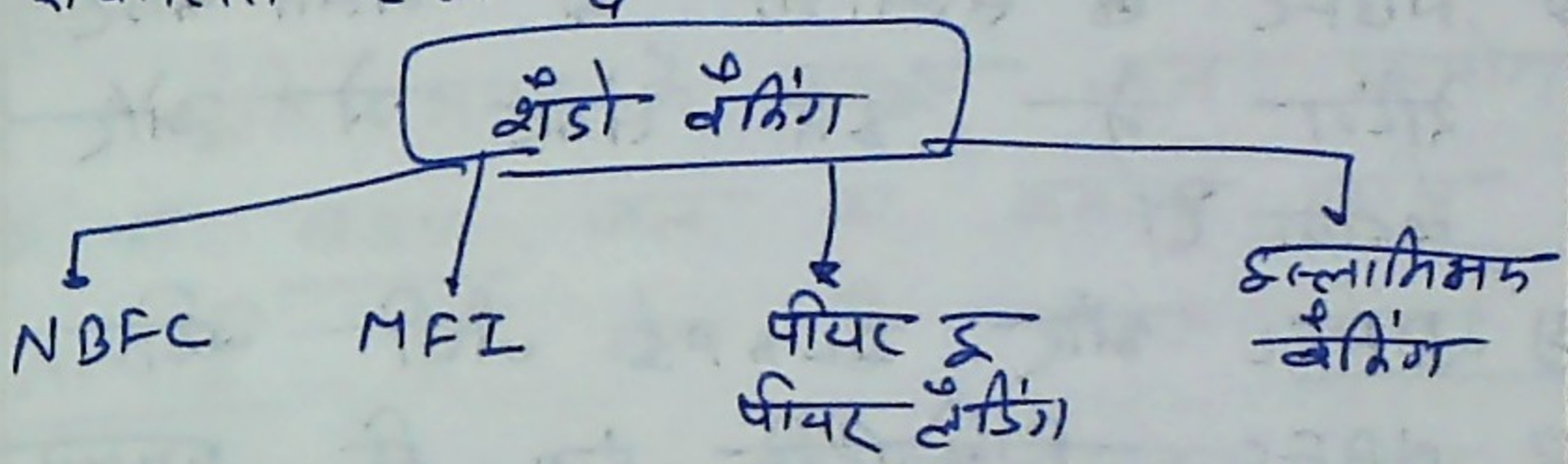

वर्तमान में ~~शैडो~~ बैंकिंग प्रणाली में धीमापन है तथा बढ़ते NPA के कारण शैडो बैंकिंग का प्रचलन बढ़ा है। उदाहरण हेतु वाणिज्यिक बैंकों के ऋण प्रदान करने में मात्र 2% की वृद्धि हुई वहीं NBFC द्वारा प्रदत्त ऋण में 15% के सरिव वृद्धि हुई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियाँ

1) NPA का संकट शैडो बैंकिंग प्रणाली की भी बढ़ा है। उदाहरण हेतु पिछले 9 महीने में जहाँ वाणिज्यिक बैंकों के NPA में कमी आयी है वहीं NBFC का NPA 6.1% से बढ़कर 6.6% हो गया है।

2) NBFC संस्थाओं का गलत क्रेडिट रेटिंग ने इस संकट में और बढ़ाया है।

3) DHFL और IL&FS जैसी बड़ी NBFC लिक्विडिटी क्रंच की समस्या का सामना कर रही है।

4) पीयर टू पीयर बैंकिंग, MFI, इत्यादि में ऋण की ब्याज दर का ज्यादा होना।

सारांशतः बैंकिंग प्रणाली का मजबूत होना अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण प्रगति हेतु आवश्यक है। फलतः शैडो बैंकिंग संबंधी चुनौतियों को कम करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. भूमि उत्पादकता की बजाय सिंचाई जल उत्पादकता को प्राथमिकता देने की अपनी कुछ चुनौतियाँ हैं, जिन पर वर्तमान में ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Shifting of priority from land productivity to irrigation water productivity has its own set of challenges which need to be addressed in time. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में जल संकट की भावी रूपरेखा के चलते जल के बुद्धिमतापूर्ण उपयोग की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट हुआ है।

चूँकि भारत के सम्पूर्ण जल उपयोग में से 89% जल का प्रयोग कृषि सिंचाई में होता है अतः सिंचाई जल उत्पादकता का महत्व बढ़ा है।

हरित क्रांति के बाद से ही हमने खाद्य उत्पादन बढ़ाने हेतु भूमि उत्पादकता पर अत्यधिक ध्यान दिया।

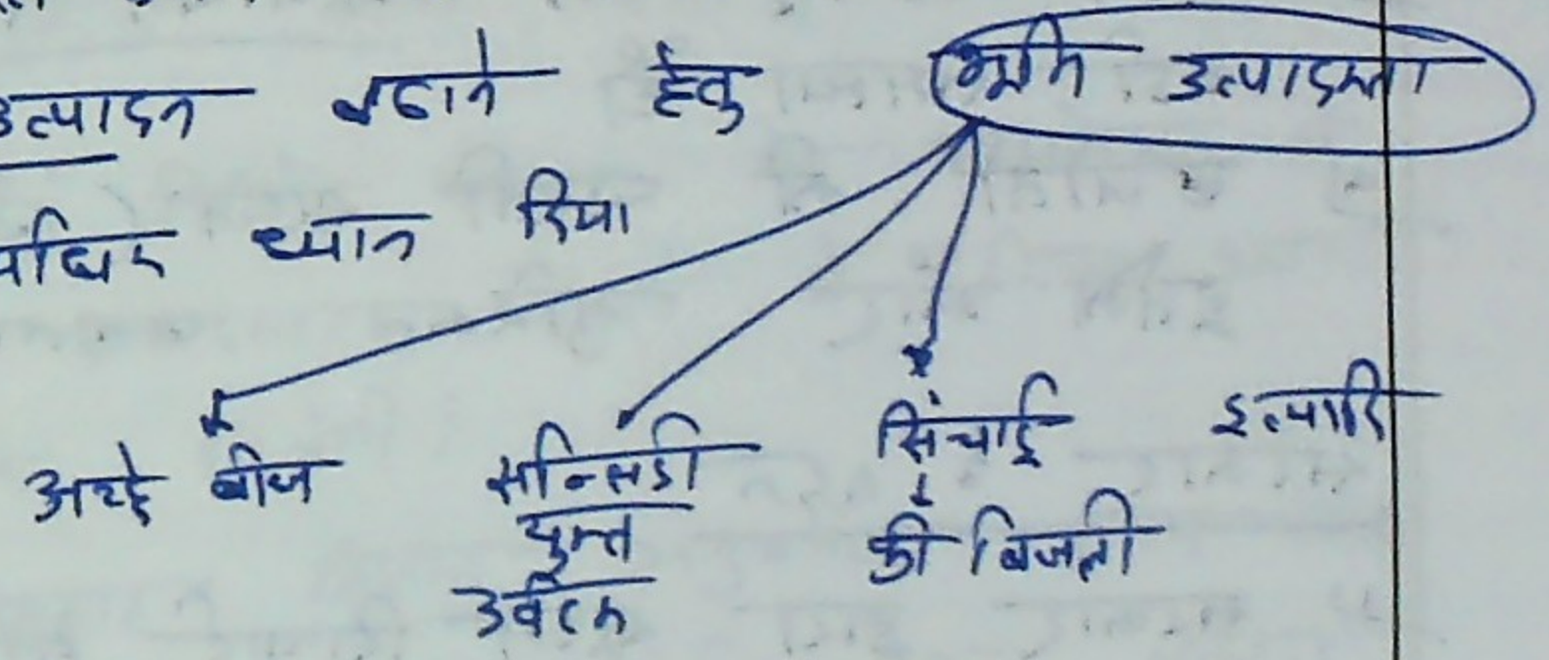

किन्तु वर्तमान में सिंचाई जल उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके अनेक लाभ हैं
1) सूक्ष्म सिंचाई तकनीक के कारण उत्पादकता में 46% तक की वृद्धि।
2) उर्वरकों की खपत काफी कम हो जाती है
3) किसानों की आय में 50% से अधिक वृद्धि

किन्तु इसमें अनेक चुनौतियाँ भी शामिल हैं।
1) भारत में मात्र 6% क्षेत्र सूक्ष्म सिंचाई से सिंचित है
2) वर्षा संचित क्षेत्र अभी भी 60% से अधिक बना हुआ है
3) सूक्ष्म सिंचाई की अत्यधिक लागत बड़ी समस्या है
4) जोतों की घटती साइज (1.08 हेक्टेयर) इसको और मुश्किल बनाता है

सरकार के कदम
1) सरकार द्वारा सूक्ष्म सिंचाई हेतु लगभग 5000 करोड़ का समर्पित फंड निर्माण किया
2) पर ड्रॉप मोर क्रॉप के तहत बढ़ावा
3) इजरायल से सहयोग लिया जा रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. मॉडल कृषि भूमि पट्टेदारी अधिनियम 2016 के प्रमुख प्रावधान क्या हैं? यह भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में कैसे सहायता प्रदान कर सकता है? (150 शब्द) 10

What are the key provisions of Model Agricultural Land Leasing Act 2016? How it can help in enhancing farm productivity in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु कई समितियों (जैसे जयराम रमेश समिति) द्वारा लैंड लीजिंग एक्ट बनाने की अनुशंसा की गयी थी।

प्रावधान

1) भूमि स्वामी अपनी भूमि को निश्चित समय हेतु काश्तकार को दे सकेगा। बदले में काश्तकार स्वामी को भूमि किराया देगा

2) भूमि स्वामित्व का भूमि पर मालूमी स्वामित्व बना रहेगा।

3) • लैंड लीजिंग एक्ट के क्रियान्वयन से कृषि उत्पादकता बढ़ाने में निम्न प्रकार से मदद मिलेगी।

1) काश्तकार किसान अनुबंधित समय तक निश्चिंत होकर खेती कर सकेगा फलतः वह निवेश करने में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अधिक स्वतंत्रता महसूस करेगा जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ेगी।

2) लैंड लीजिंग एक्ट छोटे जोत की समस्या का निराकरण करके सकता है। ~~बल्कुल~~? जिससे उत्पादकता बढ़ेगी।

3) चूँकि भू-स्वामी का अनुबंधित एग्रीमेंट के अनुसार भूमि का किराया मिलेगा फलतः काश्तकार अधिक से अधिक लाभ कमाने हेतु भूमि उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास करेगा

भारत की बढ़ती जनसंख्या और कृषि भूमि पर बढ़ता दबाव कृषि उत्पादकता को बढ़ाने हेतु अति आवश्यक है फलतः इसमें लैंड लीजिंग के साथ साथ सहकारी कृषि, चकबंदी इत्यादि अन्य साधनों का भी प्रयोग करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत के पहले मानव अंतरिक्षयान कार्यक्रम 'गगनयान' के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। साथ ही उन महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का भी विस्तृत वर्णन कीजिये जिन्हें भारत ने 'गगनयान' के लिये विकसित किया है। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's maiden human spaceflight programme–'Gaganyaan'. Also, enumerate the critical technologies India has developed for Gaganyaan. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त 2018 को 2022 तक समानव अंतरिक्षयान कार्यक्रम की बात कही। जिसके लिए 10 हजार करोड़ का फंड भी आवंटित किया गया है

गगनयान भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती हुई धमक को प्रदर्शित करता है। जिसके निम्न उद्देश्य हैं।

1) भारत समानव अंतरिक्ष यान भेजकर विश्व के चुनिंदा 4 देशों में शामिल होगा।

2) गगनयान के माध्यम से कई प्रकार के शोध एवं अनुसंधान को गति ~~प्रदान~~ मिलेगी।

3) गगनयान हेतु बेहद शक्तिशाली प्रमोचक यान की जरूरत होगी। फलतः भारत भविष्य में अपने सम्पूर्ण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उपग्रह प्रमोचन हेतु स्वतंत्र होगा

4) गगनयान के माध्यम से कॉस्मिक किरणों के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा।

गगनयान को सकुशल भेजने हेतु अत्यधिक तकनीकी विकास की आवश्यकता है। जिसमें भारत ने निम्न प्रगति की है

1) प्रमोचन हेतु GSLV MK-III का निर्माण करना।

2) Crew माड्यूल एटमास्फियरिक रीएन्ट्री प्रोग्राम का विकास ताकि सकुशल अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाया जा सके।

3) रियूजेबल लॉच व्हीकल का निर्माण

गगनयान के सकुशल अंतरिक्ष यात्रा हेतु अभी अन्य तकनीकों के विकास पर भी कार्य जारी है। जिसे इसरो द्वारा सकुशल किया जा रहा है।

CARE

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. व्यावहारिक अर्थशास्त्र भारत में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हेतु एक महत्त्वपूर्ण साधन प्रदान कर सकता है। व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Behavioural economics can provide a valuable instrument for socio-economic change in India. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस वर्ष की आर्थिक समीक्षा में ~~Nudge~~ Nudge अर्थात व्यावहारिक अर्थशास्त्र के माध्यम से सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों को गति देने हेतु एक विशेष चैप्टर शामिल किया गया है।

सामाजिक आर्थिक परिवर्तन हेतु व्यावहारिक अर्थशास्त्र निम्न प्रकार से महत्वपूर्ण हो सकता है

1) जैम त्रिविटी के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को बढ़ावा देने हेतु आधार का प्रयोग करना। लीकेज और भ्रष्टाचार की समस्या से निपटना।

2) स्वच्छ भारत अभियान को गति देने हेतु ~~न~~ नागरिकों को शौचालय निर्माण हेतु एक मुश्त धन राशि उपलब्ध कराना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

3) सुकन्या समृद्धि योजना में अधिक ब्याज दर के माध्यम से पितृसत्तामक सोच को कमजोर करने का प्रयास करना

4) 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'सेल्फी विद डॉटर', 'गुड्डी गुड्डा बोर्ड' में लोगों के व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से लिंग संवेदनशीलता को बढ़ाने का प्रयास

5) जल संरक्षण हेतु व्यवहार परिवर्तन हेतु प्रधानमंत्री जी की लोगों से अपील

सारांशतः भारतीय संदर्भ में व्यवहारिक अर्थशास्त्र सामाजिक आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. आभासी मुद्राओं द्वारा प्रदत्त लाभ विवाद योग्य हो सकते हैं परंतु उनमें अंतर्निहित प्रौद्योगिकी में निश्चित रूप से उज्ज्वल संभावनाएँ समाहित हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

The benefits offered by virtual currencies may be debatable but the underlying technology behind them is certainly having bright prospects. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आभासी मुद्राओं से तात्पर्य उन डिजिटल मुद्राओं से है/ जिनका अस्तित्व सिर्फ डिजिटल रूप तक ही सीमित है। हाल ही में बिटकॉइन जैसी कुई मुद्राएँ तेजी से उभरी है। किन्तु इनसे जुड़ी चुनौतियाँ भी अनेक है जैसे

1) चूँकि यह किसी बैंकिंग प्रणाली से संबंध नही होते है। फलतः इनका रेग्यूलेशन (विनियमन) करना असंभव होता है/

2) आभासी मुद्रा के मूल्य में तीव्र गति से होने वाला उतार-चढ़ाव निवेशकों को सुभेद्य बनाता है।

3) आभासी मुद्रा पर किसी भी तरह का विनियमन न होने के चलते इसका प्रयोग अवैध गतिविधियों जैसे - तस्करी, मनी लाड्रिंग, आतंकवादी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

फंडिंग इत्यादि में बढ़ा है

ध्यातव्य है कि आभासी मुद्रा में अंतर्निहित तकनीक में अनेक संभावनाएं छिपी हैं

(i) 1) ब्लाक चेन तकनीकी के माध्यम से पारदर्शिता, भ्रष्टाचार जैसी समस्या से निपटा जा सकता है।

2) पीयर टू पीयर के चलते इसकी सम्पूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी रहती है तथा प्रत्येक ब्लॉकस के आवागमन का हिसाब रहता है।

अतः स्पष्ट है कि आभासी मुद्रा में प्रयुक्त तकनीक विशेषकर पारदर्शिता बढ़ाने, जवाबदेहिता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. विधिक प्रणाली को सुदृढ़ करना भारतीय नीति-निर्माताओं द्वारा किया जा सकने वाला सर्वोत्तम निवेश हो सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening the legal system may be the best investment Indian policymakers can make. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में न्यायिक प्रणाली में व्याप्त विलंबन की समस्या ने अनेक समस्याओं को जन्म दिया है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में भारतीय न्यायिक प्रणाली में 3.1 करोड केस लंबित है।

विधिक प्रणाली का सुदृढीकरण निम्न प्रकार से लाभ प्रदान कर सकता है।

1) सुदृढ विधिक प्रणाली तथा नीतियों में अस्थिरता की स्थिति समाप्त होने से विदेशी निवेशक के लिए सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा। फलतः भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश बढेगा तथा रोजगार उत्पन्न होंगे।

2) सुदृढ न्यायिक व्यवस्था से विवाद निपटान की स्थिति में असंमजस्य की स्थिति समाप्त होगी। और

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के 'कॉन्ट्रैक्ट प्रवर्तन' जोकि वर्तमान में अति निम्न स्थिति में है, को मजबूती मिलेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत जैसी आकांक्षी अर्थव्यवस्था सरकार तथा केंद्रीय बैंक के बीच टकराव को सहन नहीं कर सकती है। इस संबंध में हाल की विकास गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

An aspiring economy like India can ill afford a tussle between the government and the central bank. Discuss in the context of recent developments. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही के समय में RBI और सरकार के बीच टकराव की स्थिति विद्यमान रही। जिसके चलते RBI गवर्नर तथा डिप्टी गवर्नरों द्वारा इस्तीफा भी दे दिए गए।

टकराव के मुद्दे

1. RBI के पास उपस्थित रिजर्व धन के प्रयोग हेतु टकराव
2. धारा 7A के क्रियांवयन संबंधी विवाद
3. बैंकिंग व्यवस्था में PCA Norms को लेकर विवाद
4. NBFC हेतु RBI द्वारा कड़े मानक अपनाए जाने संबंधी विवाद
5. रेपो रेट कम करने संबंधी विवाद

भारत तीव्र गति से संवृद्धि करती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है फलतः आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जिम्मेदारी सरकार द्वारा RBI दोनों की हैं

समाधान क्या हों

① सरकार और RBI दोनों को सामंजस्य युक्त दृष्टिकोण बनाकर चलना होगा।

② RBI को भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेहिता लोगों के प्रति हैं। अतः महत्वपूर्ण निर्णयों में दोनों की सहमति आवश्यक

③ सरकार को भी यह समझना होगा कि भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिरता को बनाये रखने में RBI को अधिक से अधिक स्वतंत्रता दी जाए और उसके कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप ना किया जाए।

सारांशतः समाधान दोनों के सामंजस्य पूर्ण दृष्टिकोण में ही विद्यमान हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. संभावित साइबर हमलों के विरुद्ध भारत की तैयारी का मूल्यांकन कीजिये। इस संकट को रोकने के लिये किये जा सकने वाले कुछ संरक्षोपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Evaluate India's preparedness against potential cyber attacks. Suggest measures that should be taken to tackle this threat. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में भारत की साइबर हमलों के प्रति सुभेद्यता में तीव्रता से वृद्धि हुई है। वानाक्राई जैसे साइबर अटैक के संदर्भ में इसे देखा जा सकता है।

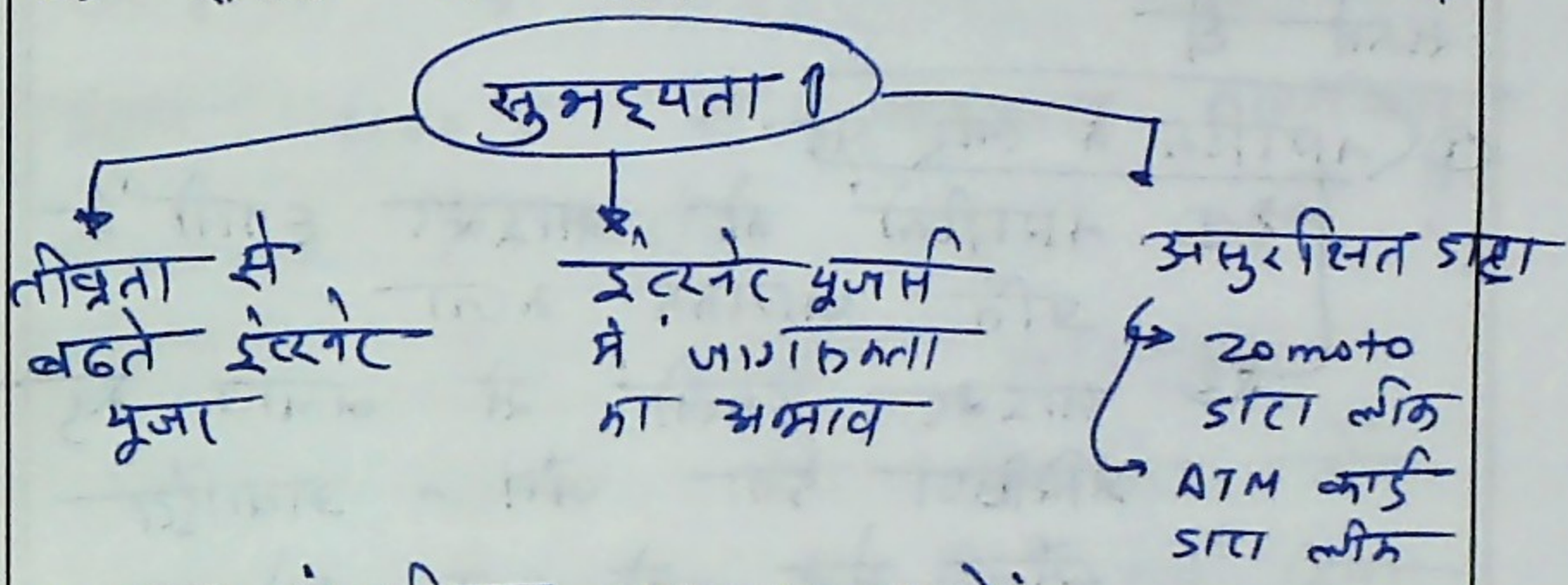

सुभेद्यता
- तीव्रता से बढ़ते इंटरनेट यूजर
- इंटरनेट यूजर्स में जागरूकता का अभाव
- असुरक्षित डाटा
  - zomato डाटा लीक
  - ATM कार्ड डाटा लीक

भारत संभावित साइबर हमलों के प्रति अपनी तैयारी को पुष्ट किए बैठा है

① क्रिटिकल इंफ्रा की सुरक्षा हेतु NCIIPC का निर्माण करना

② साइबर अपराधों हेतु CERT-IN का निर्माण। साथ ही सेक्टर CERT-IN जैसे FIN-CERT IN का निर्माण किया गया

③ राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2002

5) साइबर अटैक से निपटने हेतु नेशनल साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर NCCC का निर्माण

बढ़ते संकट को रोकने हेतु कुछ अन्य उपाय इस प्रकार किए जा सकते हैं

① नागरिक के स्तर पर
- ① नागरिकों को साइबर हमलों के प्रति जागरूक करना
- ② साइबर हमलों से बचाव हेतु प्रशिक्षण देना जैसे - अवांछित स्पैम मेल को न खोलना

② सरकार के स्तर पर
- साइबर हमलों से निपटने हेतु प्रशिक्षित लोगों की वृहद टीम का निर्माण करना

③ कम्पनियों के स्तर पर
- साइबर हमलों हेतु संभावित लूपहोल ढूंढने का प्रयास करना
- जिसके एथिकल हैकर्स की मदद ली जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

11. पिछले दो दशकों में भारत के उत्कृष्ट विकास के बावजूद निम्न भुगतान तथा वेतन असमानता समावेशी विकास को प्राप्त करने की राह में महत्त्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite India's outstanding growth in the last two decades, low pay and wage inequality remain serious obstacles towards achieving inclusive growth. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1991 के आर्थिक सुधारों (LPG सुधार) अपनाने के बाद भारत द्वारा तीव्रता से आर्थिक प्रगति की गयी उदाहरण हेतु 1991 की प्रतिव्यक्ति आय 1100 $ से बढ़कर लगभग 6600 $ के करीब पहुंच चुकी है।

हालांकि इसके बावजूद समावेशी विकास की स्थिति में नकरात्मक परिवर्तन ही दर्ज किया गया उदाहरण हेतु ऑक्सफेम के रिपोर्ट के अनुसार भारत के शीर्ष 1% व्यक्तियों की इस वर्ष सृजित सम्पत्ति में 73% योगदान रहा वहीं निम्न आय वाले निचले 67 करोड़ (50%) लोगों का योगदान मात्र 4% रहा / जो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समावेशी विकास संबंधी चुनौती को ही दर्शाता है

निम्न भुगतान

- अभी भी श्रम कानूनों में अस्पष्टता के चलते श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।
- बढ़ती बेरोजगारी भी श्रमिकों को निम्न भुगतान पर कार्य करने हेतु विवश करती है।

वेतन असमानता

1. पुरुष और महिलाओं हेतु संवैधानिक समान आय के प्रावधान के बावजूद पुरुषों की आय महिलाओं की आय से औसतन 1.3 गुना अधिक है।
2. अकुशल श्रम जैसे घरेलू काम मे संलग्न महिला तथा सिक्यूरिटी गार्ड के रूप में संलग्न पुरुष की आय में बड़ा अंतर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाधान

① विभिन्न श्रम कानून संबंधी अस्पष्टताओं को समाप्त कर श्रम कानूनों का समेकन किया जाना ध्यातव्य है कि हाल ही में सरकार चार लेबर कोड में सभी श्रम कानूनों को समाविष्ट कर दिया है।

② न्यूनतम मजदूरी के एक समान मानक का निर्धारण किया जाए

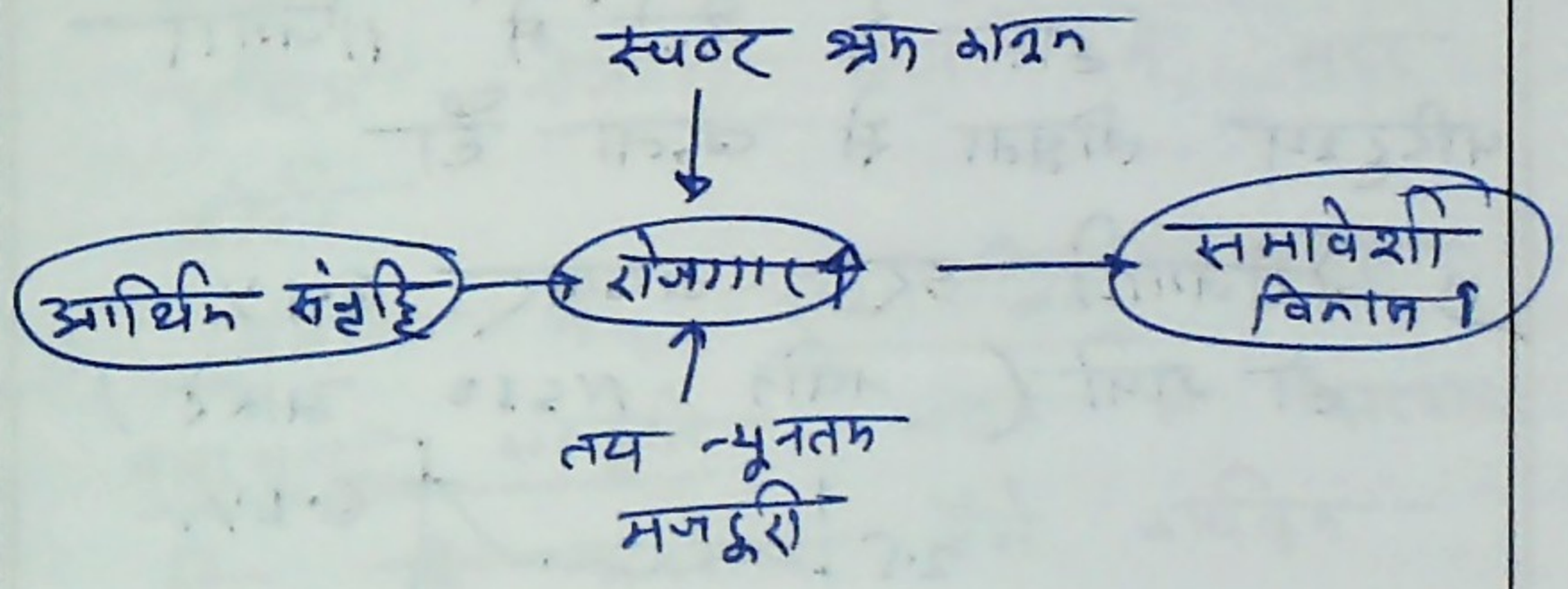

सारांशतः समावेशी विकास भारत को SDG लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा लिंग असमानता (SDG-5), आय असमानता (SDG-10) तथा गरीबी उन्मूलन (SDG-1) को खत्म करने हेतु भी आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. क्या भारत के बदलते रोज़गार परिदृश्य में देश के युवाओं को रोज़गार इच्छुक से रोज़गार सृजक में परिवर्तित करना संभव है? इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये सरकार द्वारा कौन-से कदम उठाए गए हैं? (250 शब्द) 15

Is it possible to transform India's youth from job seekers to job creators in the changing job scenario in India? What steps have been taken by the government to attain this objective? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में भारत जनसांख्यिकी लाभांश से युक्त देश है। अत: बढ़ती जनसंख्या हेतु रोजगार उपलब्ध कराना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। फलत: रोजगार सृजक (Job creators) की अत्यधिक जरूरत है

हाल के दिनों में रोजगार परिदृश्य तीव्रता से बदला है।

1) बेरोजगारी दर बढ़कर 6.1% हो गयी (नवीन NSSO आंकड़े)

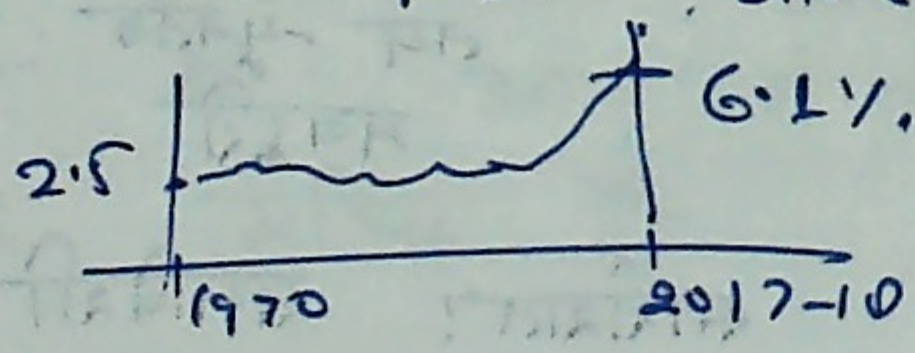

2) LFPR (श्रम बल भागीदारी दर) 39% से घटकर 36% के करीब पहुंच चुकी है जिसमें महिला LFPR में अत्यधिक गिरावट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हुई है।

वर्ष	2007	2018
LFPR	35%	22%

(W.B डाटा)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः रोजगार इच्छुक के बजाय रोजगार सृजन की जरूरत ~~[illegible]~~ है।

1) जाब क्रिएटर व्यक्ति के माध्यम से कई अन्य लोगों को रोजगार मिलता है। फलतः यह बेरोजगारी को तीव्रता से कम करेगा

2) दूसरी तरफ GDP की संवृद्धि दर तीव्रता से बढ़ेगी। जोकि पुनः अधिक रोजगार सृजन में मदद करेगी

3) समाज में उद्यमशीलता और नवाचार संस्कृति बढ़ने से सरकार की ~~के~~ मनरेगा जैसे कार्यक्रम चलाने की बाध्यता घटेगी।

4) अकुशल श्रम से कुशल श्रम में संक्रमण होगा। फलतः बदलते तकनीकी दौर में (A.I, IOT) बेरोजगारी के संकट की स्थिति न्यूनतम होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

फलतः सरकार भी इस ओर जागृत है। और तीव्रता से रोजगार सृजक को प्रोत्साहित किया जा रहा है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① स्टार्ट अप इंडिया मिशन के माध्यम से स्टार्ट अप को प्रोत्साहन देना

② स्टैंड अप इंडिया के माध्यम से महिलाओं और वंचित वर्गों की उद्यमशीलता बढ़ाने पर बल

③ मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार पर बल

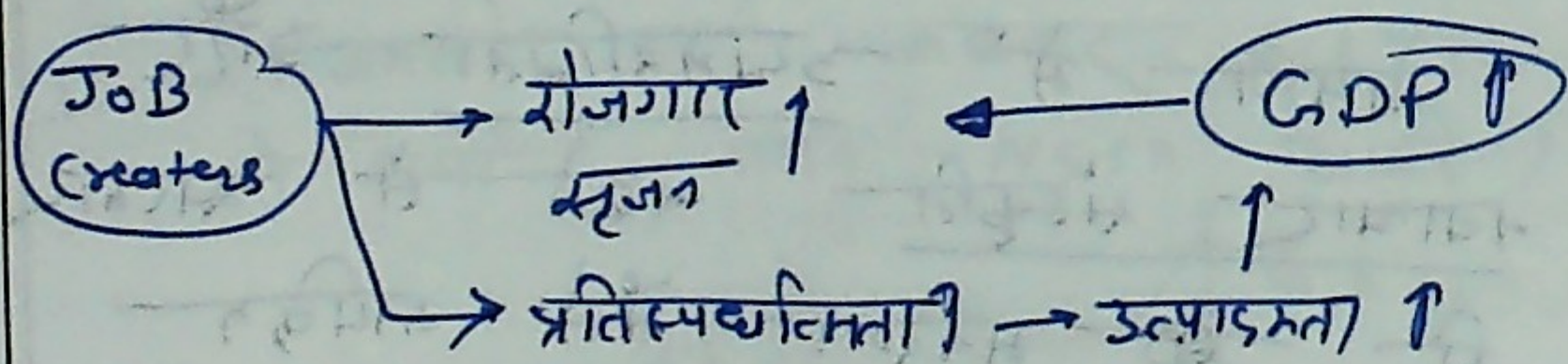

संक्षेपतः जनसांख्यिकी लाभांश का जनसांख्यिकी अभिशाप से बचने हेतु भारत को रोजगार सृजक की अधिक जरूरत है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के संबंध में भारत को कौन-सी नीति तथा शासन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? इन बाधाओं को संबोधित करने हेतु कुछ विशेष उपायों का सुझाव दीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

What are the policy and governance constraints faced by India in doubling farmers' income by 2022? Suggest few specific measures to address these constraints. (250 words) 15

वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगना करने की लक्ष्य और विगत वर्ष कृषि की संवृद्धि दर का मात्र 1.4% रहना इस लक्ष्य प्राप्ति की कठिनाईयों को दर्शाता है।

फलतः आय दोगुना करने में निम्न नीति और शासन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है

1) चूँकि कृषि समवर्ती सूची का विषय है फलतः कृषि सुधारों (जैसे नवीनतम APLM Act - 2017) में राज्यों का सहयोग अपेक्षित है।

2) APMC के कारण विपणन संबंधी समस्याएँ अत्यधिक बनी हुई है। प्रत्यक्ष विपणन का अभाव, कांट्रेक्ट फार्मिंग की अनुमति का अभाव, अत्यधिक विचौलियों की उपस्थिति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अनावश्यक कर, फीस इत्यादि के चलते ~~कृषि~~ किसानों की लाभदायकता अत्यधिक कम हुई है।

3) किसानों को बीमा संबंधी दावों को प्राप्त करने में अनावश्यक समस्याओं का ~~सामना~~ सामना करना पड़ रहा है।

4) MSP संबंधी नीतियों का लाभ मात्र बड़े किसानों और कुछ सीमित फसलों तक सीमित होना

5) उर्वरक संबंधी नीतियां एवं मुफ्त बिजली संबंधी नीतियों के चलते बढ़ती लवणीयता ने कृषि उत्पादकता को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

इन बाधाओं को ~~संबंध~~ निम्न उपायों के माध्यम से हल किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① सिंचाई → कृषि सिंचित क्षेत्र को बढाना (मध्यप्रदेश - रोल मॉडल)
→ लघु सिंचाई तथा जल का कुशलता पूर्ण उपयोग

② विपणन → APLM Act को राज्यों द्वारा लागू किया जाए
→ प्रत्यक्ष विपणन की सुविधा दी जाए
→ सिंगल पाइन्ट लेवी, सिंगल लाइसेंस को अपनाया जाए

③ इनपुट कीमत → मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से उर्वरकों का कुशल प्रयोग
→ अच्छे बीज उपलब्ध कराना

④ बीमा → किसानों हेतु बीमा संबंधी विस्तार को अपनाया जाए

⑤ प्रसंस्करण → कृषि प्रसंस्करण उद्योग को बढावा दिया जाए
→ अनुबंध कृषि के माध्यम से किसानों की उपज को प्रसंस्करण कम्पनियों को बेचना

⑥ कृषि संबद्ध गतिविधियों को बढावा → पशु पालन
→ मत्स्य पालन
→ मधुमक्खी पालन
} ↑

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

14. 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के उद्देश्य को लक्षित करने के लिये बचत, निवेश एवं निर्यात का एक सुदृढ़ चक्र अतिआवश्यक है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

To achieve the objective of becoming a USD 5 trillion economy, a virtuous cycle of savings, investment and exports is required. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में प्रस्तुत बजट में वर्ष 2022 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन $ की अर्थव्यवस्था के बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। जिसके लिए भारत की GDP में प्रतिवर्ष 8% से अधिक की संवृद्धि की आवश्यकता होगी।

बेहतर संवृद्धि हेतु बचत, निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उदाहरण हेतु 2005-06 के करीब जब भारतीय अर्थव्यवस्था 9% के करीब संवृद्धि दर से गति कर रही थी तब बचत दर -35% तथा निवेश दर - 38% के करीब थी। जोकि वर्तमान में घटकर क्रमशः 29% तथा 32% के करीब पहुंच चुकी है। जिसके

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

परिणाम स्वरूप GDP की संवृद्धि दर भी घटकर 6.2% पर पहुंच चुकी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

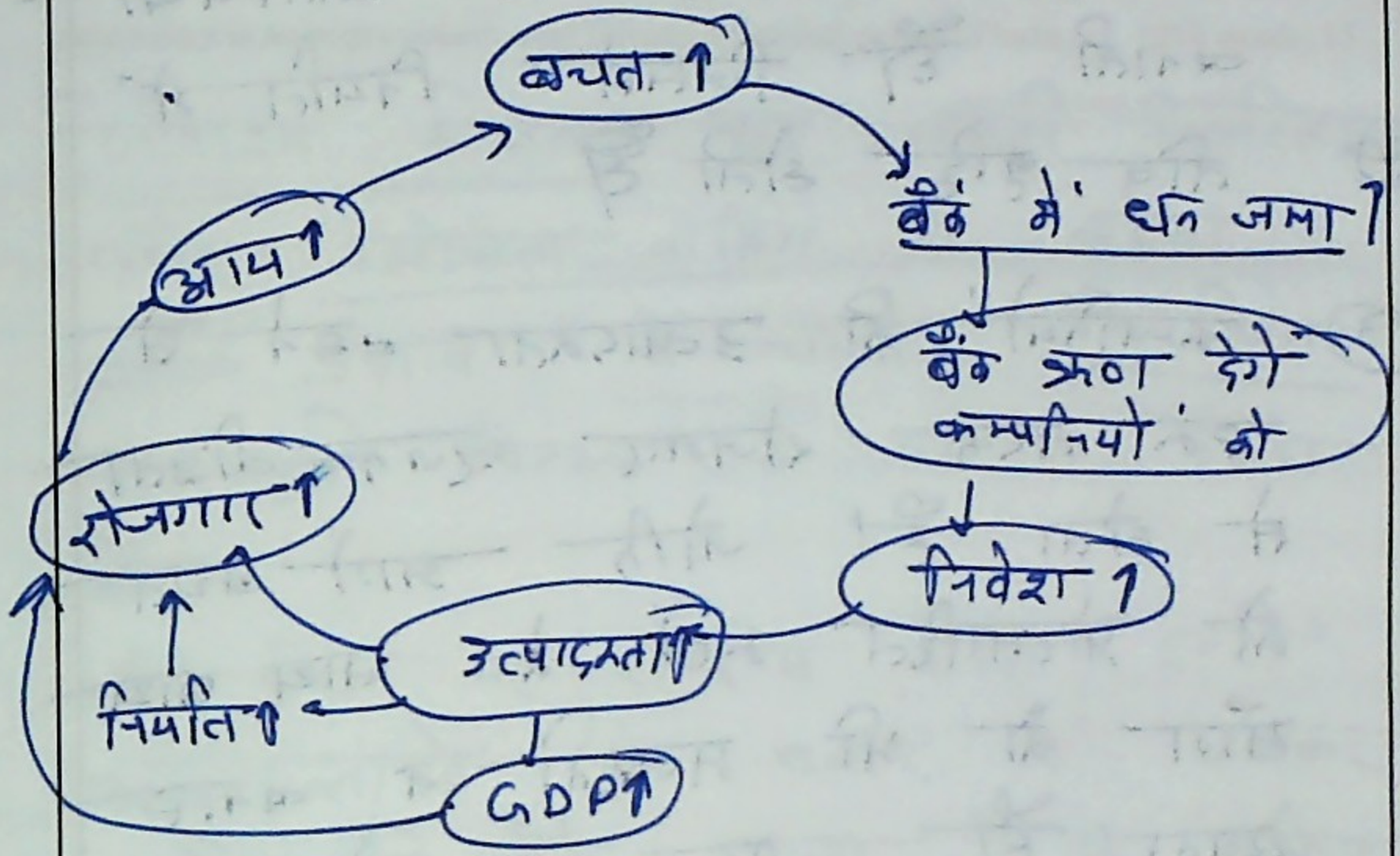

उपरोक्त चक्र से स्पष्ट है कि बचत और निवेश GDP को तीव्रता से बढ़ाने में मददगार हो सकते हैं।

1) निवेश बढ़ने से कम्पनियों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। ~~निवेश का उपयोग~~ निवेशित धन का उपयोग बेहतर मशीनरी के रूप में कम्पनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

में भी वृद्धि करता है

2) बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता कम्पनियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाती है जिससे निर्यात में तीव्र वृद्धि होती है

(3) कम्पनियों की उत्पादकता बढ़ने से एक तरफ रोजगार सृजन तीव्रता से होता है जोकि आगे बचत को प्रोत्साहित करने के साथ साथ माँग को भी मजबूती न बनाए रखता है यह घरेलू माँग भी GDP की संवृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सारांशतः भारत बचत निवेश निर्यात की मदद से 5 ट्रिलियन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है किन्तु हमें यह ध्यान भी रखना होगा कि यह संवृद्धि समावेशी भी हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिये। साथ ही किस प्रकार यह नीति भारतीय जैव ईंधन नीति के पूर्व संस्करण का उन्नत प्रारूप है, का परीक्षण भी कीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Discuss the salient features of the National Policy on Biofuels 2018. Also, examine how this policy is an improvement over the earlier biofuel policy of India. (250 words) 15

जीवाश्म ईंधन पर बढ़ती निर्भरता और ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता प्रभाव के चलते जैव ईंधन महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में उभरा है।

जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनायी गयी है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में भारत में जैवईंधन का बायोमास बायो ऊर्जा के रूप में मात्र 5% ही उपयोग किया जाता है। जबकि पूर्व की नीति में इसे 10% निर्धारित किया गया था।

प्रावधान

① नयी जैव ईंधन नीति में जैव ईंधनों को 2 श्रेणी में बांटा गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(i) आधारभूत ईंधन → 1G बायो डीजल
→ 2G बायो इथेनॉल
(ii) उन्नत ईंधन → 3G बायो इथेनॉल

(2) जैव ईंधन के प्रयोग हेतु कच्चे माल का विस्तार

(3) अप्रयुक्त खाद्यान्न, या बचे हुए खाद्यान्न के प्रयोग हेतु भी अनुमति दी गयी है हालांकि इसके लिए अनुमति की आवश्यकता है

(4) 2G जैव रिफाइनरी को प्रोत्साहन देने हेतु V.G.F के माध्यम से वित्त पोषण को बढ़ावा दिया जाएगा।

स्पष्ट है कि यह नीति पूर्व संस्करण का उन्नत रूप ही है

1) पूर्व की नीति में जैव ईंधन मुख्यतः गन्ना, आधारित था / जिसका विस्तार किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

2) खाद्यान्न के अत्यधिक उत्पादन की स्थिति में प्रयोग की अनुमति पूर्व की नीति से विशिष्ट है।

3) जैव रिफाइनरी को दिया गया प्रोत्साहन इसकी व्यवहार्यता हेतु मददगार साबित होगा।

सारांशतः नयी नीति ना केवल हमारे जीवाश्म ईंधन पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा को बचाने में सहायक होगी। बल्कि रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण, INDC लक्ष्य प्राप्ति तथा स्वच्छ वायु के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

16. भारतीय शहरों में न्यून-कार्बन परिवहन प्रणाली की आवश्यकता तथा चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इस संबंध में सरकार द्वारा हाल ही में किये गए उपायों का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the necessity and challenges of a low-carbon transport system in Indian cities. Mention the recent measures taken by the government in this regard. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

बढ़ते वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली की आवश्यकता को बढ़ाया है। इसी आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार द्वारा इलैक्ट्रिक वाहन को तीव्रता से प्रमोट किया जा रहा है।

भारतीय शहरों में न्यून कार्बन प्रणाली की आवश्यकता

① ~~WHO~~ की रिपोर्ट के अनुसार 20 सबसे प्रदूषित शहरों में 14 शहर भारत के हैं।

② वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण के चलते प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है।

③ दूसरी तरफ इससे स्वास्थ्य पर सरकार और परिवार का खर्च बढ़ता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright © Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ उत्पादकता → वायु प्रदूषण श्रमिकों की उत्पादकता को सीमित करता है।

⑤ INDC लक्ष्य → न्यून कार्बन प्रणाली INDC लक्ष्य प्राप्ति में मददगार होगी।

इसके बावजूद इसमें कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं

1) इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त बैटरी हेतु कच्चे माल (लीथियम) की कमी → जोकि अनावश्यक रूप से विदेशी देशों (चीन) पर निर्भरता बढ़ाती है

2) चार्जिंग इंफ्रा → वर्तमान में चार्जिंग इंफ्रा की स्थिति सुदृढ़ नहीं। यहाँ ~~एक~~ यह भी है कि चार्जिंग स्टेशन हेतु उत्पादित बिजली नवीकरणीय साधनों से उत्पादित की गयी है या गैर नवीकरणीय साधनों से।

3) महंगे इलेक्ट्रिक वाहन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को लगातार बढ़ावा देने हेतु प्रयासरत है

1) इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु FAME योजना - फास्टर एडॉप्शन ऑफ इलेक्ट्रिक एंड हायब्रिड व्हीकल्स

2) इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु नेशनल मोबोइलिटी मिशन

3) पिछले महीने सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों पर GST घटाकर 6% कर दिया।

सारांशतः SDG लक्ष्यों विशेष SDG-13 (पर्यावरण) SDG-3 (गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य) को प्राप्त करने तथा SDG-7 (सतत ऊर्जा) को प्राप्त करने में न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. वित्तीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफ.आर.बी.एम.) अधिनियम के क्रियान्वयन से भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल शाब्दिक रूप से राजकोषीय सावधानी देखने को मिली, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं हुआ। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Enactment of Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act has brought the Indian economy on the path of fiscal prudence only in letter but not in spirit. Critically analyse. (250 words) 15

राजकोषीय अनुशासन और सुदृढ़ता हेतु 2003 में FRBM अधिनियम बनाया गया।

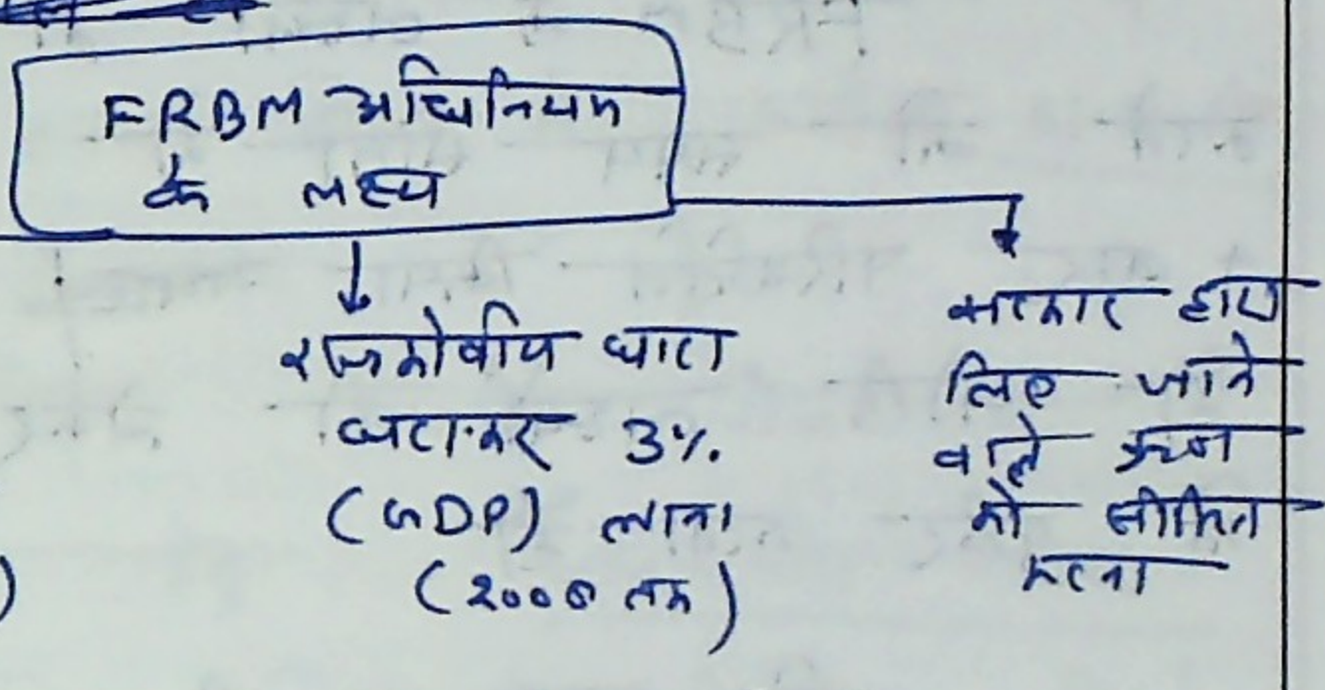

वास्तव में FRBM अधिनियम के माध्यम से संसद द्वारा सरकार पर राजकोषीय अनुशासन को अपनाने का प्रयास किया गया।

इसी के चलते राजकोषीय घाटे को 2008 तक घटाकर 3% (of GDP) पर लाने पर राजस्व घाटे को शून्य लाने की बात की गयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु वर्तमान (2019) हो जाने के बावजूद भी इसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया है उसी का नतीजा है कि अभी भी राजकोषीय घाटा 3.4% तथा राजस्व घाटा 2.2% बना हुआ है

FRBM के लक्ष्यों को प्राप्त करने की समय सीमा को अब तक 4 बार परिवर्तित किया ~~गया~~ जा चुका है जोकि लक्ष्यों को लेकर अगंभीरता को प्रदर्शित करता है

यही कारण था कि 2008 की मंदी से निपटने हेतु पुनः राजकोषीय घाटा 6% के करीब पहुँच गया

राजकोषीय अनुशासन भारत के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि राजकोषीय अनुशासन ना केवल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी को भारत की सोवेरन रेटिंग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को अच्छी देने पर मजबूर करता है बल्कि इससे विदेशी निवेश आकर्षित होता है। तथा अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनी रहती है।

इन्हीं लाभों को देखते हुए राजकोषीय अनुशासन की प्राप्ति पर बल दिया जा रहा है जिसे हाल ही में चाहे N.K सिंह समिति के रूप में देखा जा सकता है। जिसने राजकोषीय अनुशासन हेतु राजकोषीय परिषद बनाने की भी सिफारिश की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

18. वामपंथी अतिवाद (एल.डब्ल्यू.ई.) राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिये एक बड़ा संकट बना हुआ है। सुस्पष्ट कीजिये। साथ ही इस मुद्दे के समाधान हेतु सरकार द्वारा किये गए विभिन्न उपायों की भी विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Left-Wing Extremism (LWE) remains a major threat to the internal security of the country. Elucidate. Also, discuss various measures taken by the government for addressing this issue. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हाल की वामपंथी अतिवादी घटनाएँ सुकुमा अटैक, बस्तर अटैक यह दर्शाता है कि यह राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा हेतु बड़ा संकट है। ध्यातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा भी नक्सलवाद को आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती मानी थी।

वामपंथ अतिवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा हेतु संकट

1) अभी भी एक तिहाई जिलों में किसी न किसी रूप में वामपंथ अतिवाद का प्रभाव है।

2) घटनाओं की संख्या घटी है किन्तु अभी भी नक्सलियों द्वारा बड़े हमले (सुकुमा) प्रयोजित किए गए हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3) वामपंथी उग्रवादियों को चीन जैसी बाह्य कारकों से हथियार, धन इत्यादि की मदद; भारत की आंतरिक सुरक्षा को और सुभेद्य बनाती है।

4) विकास → नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकासात्मक गतिविधियों का अभाव वहाँ की जनता को नक्सली गुट में शामिल होने हेतु सुभेद्य बनाता है।

अतः भारत सरकार लगातार वामपंथी अतिवाद को समाप्त करने की कोशिश कर रही है। उसी का परिणाम है कि वामपंथी उग्रवाद में तीव्रता से कमी आयी है।

विकासात्मक उपाय

- ① कौशल विकास → रोशनी योजना के माध्यम से
- ② अवसंरचना विकास → शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास
- ③ FRA-2006, PESA कानून → इनके कुशल क्रियान्वयन के माध्यम से असंतोष दूर करने का प्रयास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* आत्मसमर्पण व पुनर्वास की नीति

सुरक्षात्मक उपाय

- समाधान रणनीति
  - → नक्सलवादी घटनाओं के प्रति सुदृढ़ कार्यवाही
  - → वित्त तक पहुंच को सीमित करना
- सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण
  - → बेहतर हथियार
  - → माइन प्रोटेक्टेड वाहन
  - → स्पेशल कमांडो बल

~~निष्कर्ष:~~

स्पष्ट है कि एक तरफ हमें नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की आवश्यकता है तो वहीं दूसरी तरफ वहाँ की निर्दोष जनता तक विकासात्मक गतिविधियों का लाभ पहुंचाकर सामाजिक आर्थिक सशक्तीकरण करना होगा। तभी हम नक्सलवाद जैसी समस्या का समूल नाश कर सकेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. भारतीय रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण कई संकटों का हल प्रदान कर सकता है। हालाँकि राह उतनी आसान नहीं है जितनी प्रतीत होती है। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Indigenising the Indian defence sector can address multiple woes, however road is not as easy as it seems. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी देश की सुरक्षा हेतु रक्षा क्षेत्र का मजबूत होना अत्यधिक आवश्यक है। यूँ तो भारतीय रक्षा क्षेत्र समूह माना जाता है किन्तु इसकी समृद्धता विदेशी आयात पर आधारित है।

ध्यातव्य है कि भारतीय रक्षा क्षेत्र के अधिकांश उपकरण, हथियार, विमान वाहक पोत, फाइटर प्लेन, मिसाइल डिफेंस सिस्टम, पनडुब्बी या तो आयातित हैं या विदेशी सहायता की मदद से बनाये गए हैं।

भारतीय रक्षा क्षेत्र का मात्र 10%, हिस्सा भारतीय कम्पनियों द्वारा विनिर्मित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वदेशीकरण की आवश्यकता क्यों

1. विदेशी निर्भरता भारत के रक्षा क्षेत्र को भेद्य बनाता है।
2. आयात पर होने वाले बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च को बचाएगा।
3. भारतीय कम्पनियों (HAL) की अदक्षता, और गैर प्रतिस्पर्धात्मकता
4. युद्ध के समय विदेशी असहयोग की स्थिति बन सकती है। उदाहरण हेतु कारगिल युद्ध के समय अमेरिका की GPS तकनीक पर हमारी निर्भरता ने हमें कमजोर स्थिति में पहुंचाया था।

~~क्क~~ स्पष्ट है कि रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण वांछित तो है किन्तु यह राह उतनी आसान नहीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1) भारतीय कम्पनियों के पास उच्चस्तरीय तकनीक का अभाव
↳ राफेल, विमानवाहक पोत, परमाणु पनडुब्बी, इत्यादि बनाने में भारतीय कम्पनियों की असमर्थता

2) अगर बनाने का प्रयास भी किया जाता है तो लागत अत्यधिक आएगी। फलत: आयात ~~ही~~ ~~प्राथमिक है~~ करना ही अधिक लाभदायक सिद्ध हो जाता है

3) रक्षा विनिर्माण में प्रतिस्पर्धात्मकता वातावरण का अभाव

स्पष्ट है भारतीय रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता है। जिसको अधिक समय तक टालकर रखना ना केवल हमारी विदेशी निर्भरता को बढ़ाएगा बल्कि हमारी सुरक्षात्मक पहलू को भी कमजोर करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में विधिक तथा संस्थागत तंत्र मौजूद होने के बावजूद नीति निर्माताओं के लिये आपदा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite legal and institutional mechanisms in place, disaster management continues to pose a daunting challenge for policymakers in India. Critically evaluate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

भारत आपदा हेतु अत्यधिक संवेदनशील देश है। उदाहरण हेतु भारत की तटीय सीमा इसे चक्रवात, सुनामी हेतु सुभेद्य तथा 68% भारतीय क्षेत्र सूखा हेतु सुभेद्य तथा 12% क्षेत्र बाढ़ हेतु सुभेद्य है।

फलतः आपदा प्रबंधन की दृष्टि से मजबूत होना भारत के लिए अनिवार्य है —

भारत में विधिक तंत्र

① आपदा प्रबंधन कानून - 2005
② आपदा प्रबंधन नीति - 2009
③ आपदा प्रबंधन नियम - 2018
④ हाल ही में सेंडाई फ्रेमवर्क संबंधी प्रावधानों को अपनाया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

संवेदनशील क्षेत्र की उपस्थिति भी भारत में सुदृढ़ हो जैसे
आपदा प्रबंधन कानून 2005 के तहत केंद्रीय स्तर पर NDMA, राज्य स्तर पर SDMA तथा ~~स्थानीय~~ जिला स्तर पर DDMA की स्थापना की गयी है।

→ आपदा के समय प्रबंधन में मदद हेतु NDRF, SDRF (फोर्स) की उपस्थिति

→ आपदा के प्रति त्वरित अनुक्रिया हेतु नेशनल डिजास्टर रिलिफ फंड। की भी व्यवस्था

इसके बावजूद आपदा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण क्यों

1) असतत विकासात्मक गतिविधियाँ
- उदाहरण. हेतु फ्लड प्लेन में अवलंबना विकास की उपस्थिति
- पहाड़ों, नदियों का अनावश्यक खनन.
- E

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n write on this marg

2) आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना का अभाव

3) शमन हेतु आपदा मैपिंग, इत्यादि का अभाव

4) आपदा पूर्वानुमान में कमजोरी

हालांकि इन चुनौतियों के बावजूद भी भारत आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है उदाहरण

1) हाल ही में आए फानी चक्रवात से न्यूनतम क्षति

2) नेपाल में भूकंप प्रबंधन में सहयोग

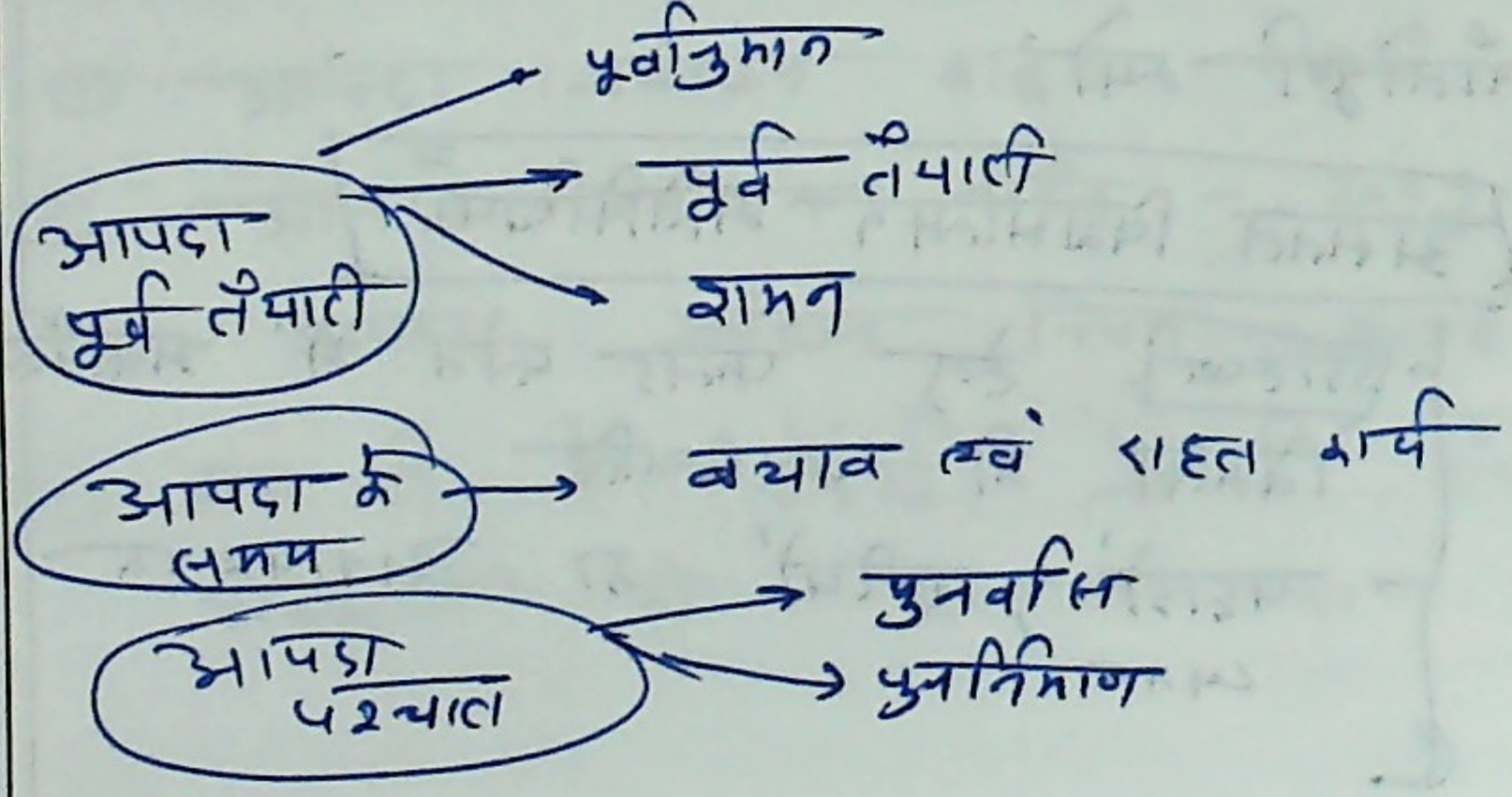

- आपदा पूर्व तैयारी
  - → पूर्वानुमान
  - → पूर्व तैयारी
  - → शमन
- आपदा के समय
  - → बचाव एवं राहत कार्य
- आपदा पश्चात
  - → पुनर्वास
  - → पुनर्निर्माण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation